FOREST RESOURCES (वन संसाधन),

वन प्रकृति द्वारा दिया गया मूल या सबसे महत्वपूर्ण संसाधन है। वन से हमें फल, फूल, सब्जी, सूखी पत्तियाँ, माँस, गोंद, रबड़ आदि प्राप्त होता है।

(i) वन के रहने से वर्षा अधिक होती है जिससे मृदा का कटाव नहीं हो पाता है।

(ii) वन के रहने से हमारे आस-पास का वातावरण स्वच्छ रहता है।

(iii) वन आँधी, तूफान एवम् रेतीले प्रवाह को रोकते हैं।

(iv) यह वायुमंडल के प्रदूषकों को तेजी से घटाकर उसे स्वच्छ रखते हैं जिससे सभी प्रकार के वन्य प्राणी सुरक्षित रहते हैं।

(v) वन वायुमंडल के नमी को बनाए रखता है और वर्षा में भी सहायक होते हैं।

(vi) वृक्षों की जड़ें न सिर्फ मृदा को उपजाऊ बनाए रखती हैं बल्कि उसे कटाव से भी रोकती हैं और जल स्तर को ऊँचा बनाए रखता है।

(vii) वन अनेक प्रकार के पशु-पक्षी व वन्य प्राणियों शरण के स्थान हैं। इन सबके लिए वनों में प्राणदायी शक्ति है।

(viii) वन से हमें कई प्रकार की औषधि, जड़ी-बूटी भी मिलते हैं।

Distribution of forests —

वनों का वितरण — मोटे तौर पर विश्व में निम्न पाँच प्रकार के प्राकृतिक वनस्पति के प्रदेश अथवा वन प्रदेश पाए जाते हैं।

(i) उष्ण कटिबंधीय सदाबहार के वन

(ii) उष्ण एवम् शीतोष्ण कटिबंधीय पतझड़ वाले या मानसूनी वन।

Scanned with CamScanner

(iii) शीतोष्ण कटिबंधीय झाड़ी वाले या शुष्क सदाबहार के वन इन्हें भू-मध्य सागरीय वन भी कहते हैं।

(iv) शीतोष्ण कटिबंधीय पतझड़ वाले वन, इसमें पूर्वी व पश्चिमी तटवर्ती दोनों प्रकार के वन आते हैं।

(v) शीतोष्ण कटिबंधीय कोणधारी या टैगा के वन।

(1) उष्ण कटिबंधीय सदाबहार के वन ⇒ इन्हें विषुवत रेखीय वन भी कहा जाता है इनका विस्तार विषुवत रेखा या भूमध्य रेखा से 5° उत्तर से 5° दक्षिण तथा कहीं-कहीं 10 अक्षांशों तक पाया जाता है। इनका सबसे अधिक विस्तार अमेजन बेसिन मध्यवर्ती या विषुवतरेखीय अफ्रीका - (कांगो बेसिन एवम् गिनी की खाड़ी के तट) दक्षिण-पूर्वी एशिया और मध्य अमेरिका में पाया जाता है। यहाँ तापमान वर्ष भर 24° - 27°C के मध्य एवम् वर्षा 160 - 200cm. के मध्य प्रायः प्रतिदिन हो जाती है।

यहाँ के प्रमुख वन ⇒ यहाँ के मुख्य वन आबनूस, महोगिनी, एबोनी, सिनकोना, गटापार्चा, लोगवुड, आयरन वुड, ब्राजील, वुड रबड़, मेनिऑप नारियल, ताड़, बेंत अनानास केला ग्रीनहार्ट, और ब्रेडफ्रुट है।

यहाँ रबड़ महोगिनी व एबोनी की लकड़ी सिनकोना से कुनैन एवम् अनेक फल व जड़ी-बूटी मिलती है।

(2) उष्ण व अर्द्धोष्ण कटिबंधीय पतझड़ वाले मानसूनी वन ⇒ उष्ण कटिबंधीय मानसूनी प्रदेशों

Scanned with CamScanner

में वनों का वितरण वर्षा की मात्रा पर निर्भर है क्योंकि इन प्रदेशों में वर्ष भर तापमान ऊँचे रहते हैं। जबकि वर्षा ग्रीष्मकाल में ही होती है जहाँ वर्षा 200cm. से अधिक होती है, वहाँ सघन वन पाए जाते हैं। 100-200cm. वर्षा वाले क्षेत्रों में मानसूनी खुले वन पाए जाते हैं। ऊँचे तापमान से बचने के लिए ग्रीष्मकाल से पहले पुराने पत्ते गिर जाते हैं और नवीन कोंपले आने से वाष्पीकरण कम होता है। इन वनों का विस्तार बर्मा थाइलैंड सम्पूर्ण भारतीय उपद्वीप दक्षिणी-पूर्वी चीन 25° उत्तरी अक्षांश तक दक्षिणी मैक्सिको व पूर्वी मध्य अमेरिका उत्तरी आस्ट्रेलिया एवम् पूर्वी अफ्रीका के देशों में पाया जाता है।

यहाँ के मुख्य वृक्ष => सागवान, साल, बाँस, ताड़, नारियल, केला आदि हैं। यह वन इमारती लकड़ी मजबूत व टिकाऊ लकड़ी अनेक प्रकार के फल एवम् जड़ी-बूटियों के लिए विश्व प्रसिद्ध है।

(3) शीतोष्ण कटिबंधीय झाड़ी वाले सदाबहार वन => 30°-45° अक्षांशों के मध्य भूमध्य सागरीय जलवायु वाले प्रदेशों में ऐसे वन पाए जाते हैं। यहाँ पर ग्रीष्मकाल शुष्क एवं शीतकाल में वर्षा होने से ऐसे वनों के वृक्षों में जल संरक्षण या संग्रहण के विशेष गुण पाए जाते हैं। लम्बी जड़ चिकना तना रोएँदार या मोटी या चिकनी पत्तियाँ एवम् छोटा आकार इनकी खास विशेषताएँ हैं। इस प्रकार यह वन रसदार फल अंगूर एवम् सूखे

Scanned with CamScanner